भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर में एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) का पहला बैच शुरू

- **छात्रों का चयन नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट द्वारा किया गया**
- **सक्रिय शिक्षण माहौल में 17 अक्टूबर कक्षाएं से शुरू हो गईं जो संचार, सहयोग और अहम विचारों को बढ़ावा देंगी**
- **छात्रों, अभिभावकों और पाठ्यक्रम संकाय के लिए अलग-अलग ओरिएंटेशन आयोजित किए गए**

भुवनेश्वर, 17 अक्टूबर 2023: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने उत्कृष्ट अध्यापकों के निर्माण एवं भारत की शिक्षा प्रणाली में मूल्यवर्धन की एक नई पहल के रूप में, 2023-24 शैक्षणिक वर्ष से 4 वर्षीय बीएससी -बीएड एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) का शुभारंभ किया है । भारत के विभिन्न राज्यों के 50 छात्रों के पहले बैच के लिए कक्षाएं 17 अक्टूबर 2023 से शुरू हो गई हैं । इस कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले छात्रों का चयन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एनसीईटी) के माध्यम से किया गया । आईआईटी भुवनेश्वर इसी वर्ष से इस कार्यक्रम को शुरू करने वाले दो आईआईटी (आईआईटी खड़गपुर सहित) में से एक है। संस्थान ने भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और अर्थशास्त्र में बैचलर ऑफ एजुकेशन (बीएड) के साथ बैचलर ऑफ साइंस (बीएससी) जैसे कोर्सों की भी शुरुआत की है। इस कार्यक्रम में नामांकित छात्र वर्तमान बीएड पाठ्यक्रम द्वारा अनिवार्य पारंपरिक पांच साल की अवधि की तुलना में मात्र चार वर्षों की संक्षिप्त समय सीमा के भीतर ही अपनी पढ़ाई पूरी सकेंगे ।

इस नए महत्वपूर्ण कार्यक्रम की प्रभावशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, छात्रों, उनके अभिभावकों एवं संबंधित संकाय के लिए अलग-अलग

इंटरैक्टिव ओरिएंटेशन आयोजित किए गए । इस अवसर पर आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रोफेसर श्रीपाद करमलकर, बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरीश चंद्र सिंह राठौर और क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर के प्राचार्य प्रोफेसर प्रकाश चंद्र अग्रवाल जैसे विशेषज्ञों ने इस कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में आईटीईपी समन्वयकों - डॉ. राजन झा, प्रमुख, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ स्कूल और डॉ. दुखबंधु साहू, प्रमुख, मानविकी, सामाजिक एवं प्रबंध विज्ञान विद्यापीठ और डॉ. राजेश रोशन दाश, डीन (छात्र मामले) और डॉ. शांतनु पाल, डीन (स्नातक कार्यक्रम) ने भी छात्रों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए ।

यह ओरिएंटेशन कार्यक्रम एक सक्रिय शिक्षण कक्षा में आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षार्थियों को बातचीत और सहयोगी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए तीन लोगो के समूह में बैठाया गया ताकि पारस्परिक वैचारिक आदान-प्रदान किया जा सके । इस उपलक्ष्य पर सभी को संबोधित करते हुए, प्रोफेसर करमलकर ने बताया कि आईटीईपी छात्र पहले बैच हैं जिन्हें अपनी पूरी शिक्षा एक सक्रिय शिक्षण माहौल में पूरी करने का मौका प्राप्त होगा जो शिक्षण सहित किसी भी पेशे में सफलता के लिए आवश्यक संचार, सहयोग और महत्वपूर्ण वैचारिक कौशल को बढ़ावा देता है । आगे उन्होंने यह भी कहा कि अन्य कार्यक्रमों के छात्रों की तुलना में आईटीईपी छात्रों के मूल्यांकन में उनके द्वारा किए गए सभी पाठ्यक्रमों में शिक्षण कौशल के प्रदर्शन से जुड़ा एक घटक शामिल किया जाएगा । आगे बात करते हुए उन्होने इस तथ्य पर भी सकारात्मक प्रकाश डाला कि यद्यपि आईटीईपी के में शामिल अधिकांश छात्र लड़कियां हैं, तथापि आईटीईपी कार्यक्रम में उनके के लिए कोई आरक्षण नहीं है ।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान पूछे गए प्रमुख प्रश्न निम्नानुसार हैं :

1. **आईटीईपी छात्रों के लिए आर एंड डी कैरियर का विकल्प :** यद्यपि आईटीईपी उत्कृष्ट शिक्षकों के निर्माण में सकारात्मक माहौल तैयार करता है, तथापि इस कार्यक्रम में नामांकित छात्र अन्य छात्रों के की तरह अनुसंधान और विकास करियर को भी विकल्प बना सकते हैं । इस संबंध में मौजूदा नीति के अनुसार, उन्हें पीएचडी कार्यक्रम के लिए आवेदन करने से पूर्व मास्टर डिग्री हासिल करनी होगी। कई अभिभावकों ने आईटीईपी ऑनर्स डिग्री के लिए अग्रणी कोर्सवर्क के 16 क्रेडिट को जोड़ने का प्रावधान करने का सुझाव दिया, जिसके बाद छात्र सीधे पीएचडी कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं, यदि वे चाहें तो ।

2. **अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा के अवसर :** यह पाठ्यक्रम, भारत के किसी भी अन्य पाठ्यक्रम की तरह, छात्रों को किसी भी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय में अपने उच्च अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए प्रासंगिक डिग्री, शैक्षणिक क्रेडिट और ज्ञान प्रदान करेगा । तथापि, उन्हें अपने वांछित पाठ्यक्रमों/संस्थानों/विश्वविद्यालयों में आवेदन और प्रवेश की नियमित प्रक्रिया का अनुसरण करना होगा। एक आईआईटीयन होने की विश्वव्यापी मान्यता उनकी शैक्षणिक साख को बढ़ाएगी ।

उल्लेखनीय है कि आईटीईपी भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीनस्थ राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की एक महत्वपूर्ण पहल है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि उत्कृष्ट छात्र विद्यालय स्तर पर शिक्षण पेशे में प्रवेश कर सकें । आईटीईपी उन सभी छात्रों के लिए उपलब्ध होगा जो किसी भी विषय (विज्ञान/ विज्ञान/मानविकी/ वाणिज्य / अन्य) में उच्चतर माध्यमिक (10 + 2) की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद एक पेशे के रूप में शिक्षण का चयन करना चाहते हैं । आईटीईपी का प्राथमिक उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 में उल्लिखित संशोधित शैक्षिक ढांचे का अनुपालन करते हुए औपचारिक शिक्षा के विभिन्न चरणों में छात्रों को प्रभावी ढंग से पढ़ाने हेतु भावी शिक्षकों को आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करे । इस कार्यक्रम से जुड़े छात्र भारतीय मूल्यों, भाषाओं, ज्ञान, लोकाचार, आदिवासी परंपराओं संबंधित

अभूतपूर्व ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे और शिक्षा और शिक्षाशास्त्र में हो रहे नवीनतम प्रगति को ठीक ढंग से समझ सकेंगे ।

आईआईटी भुवनेश्वर में चलाये जा रहे आईटीईपी में मुख्य विषयों के साथ अन्य विभिन्न विषय यथा कला शिक्षा (प्रदर्शन और दृश्य), संस्कृत भाषा और योग दी शामिल हैं । इस कार्यक्रम में नामांकित होने वाले छात्रों को उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण, अनुसंधान के अपार अवसर, आधारभूत सुविधाओं सहित एक जीवंत परिसर का लाभ मिलेगा ।